बिनसर वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **अल्मोड़ा ज़िले के बिनसर वन्यजीव अभयारण्य में लगी भीषण वनाग्नि में** टीम के फंस जाने के कारण **उत्तराखंड वन विभाग के चार कर्मचारियों की मौत** हो गई और **चार अन्य घायल** हो गए।

मुख्य बिंदु:

- उत्तराखंड में **1 नवंबर, 2023** से **14 जून, 2024 तक 1,213** [वनाग्नि](#) **की घटनाएँ दर्ज** की गई हैं, जबकि वर्ष 2023 में इसी अवधि के दौरान 663 घटनाएँ दर्ज की गई थीं।
    - **इस वर्ष वनाग्नि में क्षतिग्रस्त 1653 हेक्टेयर वन भूमि** में से गढ़वाल क्षेत्र में 687 हेक्टेयर, कुमाऊँ क्षेत्र में 833 हेक्टेयर और वन्यजीव प्रशासनिक क्षेत्रों में 132 हेक्टेयर भूमि **क्षतिग्रस्त हुई** है।
- **बिनसर वन्यजीव अभयारण्य उत्तराखंड के कुमाऊँ हिमालय में स्थित** है।
    - वर्ष 1988 में इस अभयारण्य की स्थापना क्षेत्र की समृद्ध जैवविविधता के संरक्षण के उद्देश्य से की गई थी।
    - इसकी **विविध स्थलाकृति और ऊँचाई में भिन्नता के कारण** यहाँ **वनस्पतियों की उल्लेखनीय विविधता** है। **अभयारण्य** मुख्य रूप से **ओक तथा देवदार के घने वनों से आच्छादित** है
    - अभयारण्य **वन्यजीवों की एक प्रभावशाली शृंखला** का भी आवास है। अभयारण्य में **पक्षियों की 200 से अधिक प्रजातियाँ** हैं।
        - इनमें **यूरेशियन जय, कोक्लास तीतर, मोनाल तीतर** और **हिमालयन कठफोड़वा** जैसी प्रजातियाँ शामिल हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/binsar-wildlife-sanctuary